Dainik Bhaskar (Indore), 09th May 2023, Page – 04

बूट कैंप | आईआईटी इंदौर में अमेरिकी दूतावास से आए एरिक अजुले बोले-

लॉन्ग टर्म नुकसान है तो फंडिंग लेने से बचें

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

किसी स्टार्टअप की शुरुआत में दो तरह की फंडिंग होती है। पहली इंक्यूबेशन लेवल पर जिसमें इंक्यूबेटर से 10 से 20 लाख रुपए तक की फंडिंग मिलती है। दूसरी वेंचर कैपिटल फंडिंग, जिसमें स्टार्टअप को वेंचर इंवेस्टर्स से बड़ी फंडिंग मिलती है। लेकिन वेंचर इंवेस्टर्स हमेशा उसी स्टार्टअप में पैसा इंवेस्ट कर सकते हैं जो पैसा कमा कर दे सकते हैं। यह बात अमेरिका राज दूतावास से नेक्सस के कार्यकारी निदेशक एरिक अजुले ने कही। वे आईआईटी इंदौर में आईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप में बोल रहे थे।

अजुले ने बताया कि किसी भी स्टार्टअप के लिए टर्म शीट वह डॉक्यूमेंट है जो यह बताता है कि स्टार्टअप में इंवेस्टर फंडिंग करेगा या नहीं। उन स्टार्टअप को भी यह ध्यान रखना चाहिए की जिस टर्म शीट में इंवेस्टर को फायदा नजर आ रहा है या स्टार्टअप फाउंडर को लांग टर्म में नुकसान का चांस है तो उनको फिर ऐसे इंवेस्टर्स से फंडिंग लेने से बचना चाहिए। एरिक ने आगे बताया कि स्टार्टअप का वैल्यूएशन कई तरीकों से निकाला जाता है। इसकी सबसे कॉमन मैथड यह है कि (टैक्नोलॉजी स्टार्टअप के लिए) स्टार्टअप का जितना. रेवेन्यू है, उसका मिनिमम 2 गुना और ऐवरेज 10 गुना वैल्यूएशन होता है। वहीं अगर कोई यूनिक स्टार्टअप है या पेटेंट किया हुआ है तो वैल्यूएशन रेवन्यू की एवरेज 40 गुना तक हो सकती है।

फंडिंग से पहले टर्म शीट महत्वपूर्ण

एरिक ने बताया कि टर्म शीट फंडिंग में यह बताया जाता है कि अगर स्टार्टअप को नुकसान हो गया और वह बंद होने वाला है तो फाउंडर, बैंक,. कर्मचारी और इंवेस्टर को कब और कैसे पैसा मिलेगा। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के अतिरिक्त निदेशक एसएच अब्बास मेहदी और वेंचर कैपिटलिस्ट जय जैन ने अपनी बात रखी है।

दृष्टि सीपीएस एक पुल के रूप में है

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने शिक्षा, उद्योग और स्टार्टअप के बीच सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि शिक्षा के साथ उद्योगों और स्टार्टअप को जोड़ने में दृष्टि सीपीएस एक पुल के रूप में कार्य करता है, ताकि उन्हें विशेषज्ञता, कटिंग एज तकनीक, और रिसर्च तक पहुंच प्रदान की जा सके। उन्हें तकनीकी क्षमता के उच्च स्तर को प्राप्त करने और विकास में तेजी लाने में सहायता मिल सके। बूट कैंप का मंगलवार को समापन होगा।